



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 376]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 17, 2007/अग्रहायण 26, 1929

No. 376]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 17, 2007/AGRAHAYANA 26, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 2007

प्रारम्भिक जांच परिणाम

विषय:- ईरान, मलेशिया, कोरिया आरओके, थाइलैंड, यूएई तथा वियतनाम से कॉम्पेक्ट डिस्क-रिकार्डबल (सीडी-आर) से आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

सं. 14/9/2007-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. चूंकि मै. ऑप्टिकल डिस्क मैन्युफैक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन, नई दिल्ली ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) के अनुसरण में एक आवेदन दाखिल किया है जिसमें ईरान, मलेशिया, कोरिया आरओके, थाइलैंड, यूएई तथा वियतनाम (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कॉम्पेक्ट डिस्क-रिकार्डबल (सीडी-आर) (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच प्रारम्भ करने का अनुरोध किया गया है।

3. और चूंकि प्राधिकारी की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर किसी आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव को निर्धारित करने तथा पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने, जिसकी यदि वसूली की जाती है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए उपर्युक्त नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन से संबंधित पाटनरोधी जाँच शुरू करते हुए दिनांक 12 सितम्बर, 2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जो भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित हुई थी।

क. सामान्य

4. प्राधिकारी द्वारा उक्त जांच की शुरुआत करने संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी करने के पश्चात् इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है।

(क) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावासों, संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को जांच शुरुआत करने संबंधी 12.09.2007 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे उक्त अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।

(ख) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां प्रदान कीं।

(ग) भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत करने के बारे में सूचना दी गई और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का जवाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। निर्यातकों के नाम एवं पत्रों सहित निर्यातकों को भेजे गए पत्रों तथा प्रश्नावली की एक प्रति भी संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों को भेजी गई।

(घ) नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्राधिकारी द्वारा एक प्रश्नावली भेजी गयी थी। प्राधिकारी ने वियतनाम के निर्यातकों को एमईटी से संबंधित प्रश्नावली भेजी।

(ङ) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) से भी अनुरोध किया गया कि वह जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें।

(च) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

(छ) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) पर आधारित आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा।

(ज) जांच में 1 अप्रैल, 2006 से 30 जून, 2007 तक की अवधि (पीओआई) शामिल थी। क्षति विश्लेषण के संबंध में रूझानों की जांच में अप्रैल 2003- मार्च 2004, अप्रैल 2004- मार्च 2004 और अप्रैल 2005- मार्च 2006 और जांच अवधि शामिल थी।

(झ) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के संबंध में उनके द्वारा प्रस्तुत गोपनीयता संबंधी दावों की जांच की गई है। लागत निर्धारण, सीमाशुल्क कीमतों से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना गया है, जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु की मात्रा से संबंधित सूचना गोपनीय मानी गयी है। निर्यातकों के गोपनीयता संबंधी दावों की जांच की जा रही है। तथापि, प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निर्यातकों द्वारा गोपनीय रूप से प्रस्तुत सूचना को गोपनीय माना गया है। ऐसी सूचना जिसकी प्रकृति गोपनीय है अथवा जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उसके अगोपनीय सारांश सहित प्रस्तुत किया गया है, उसे अगोपनीय माना गया है। * * * * से इस जांच परिणाम में घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है।

() उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। नीचे क्र. सं. 1 और 2 पर उल्लिखित निर्यातकों से उत्तर विस्तारित समय में प्राप्त हुए थे। क्र. सं. 3 पर उल्लिखित निर्यातक से उत्तर अनुमत्य समय के बाद प्राप्त हुआ था परन्तु निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विलम्ब को माफ करने और उत्तर पर विचार करने का निर्णय लिया :-

1. मै. पैन स्टार इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि., थाइलैण्ड
2. मै. राइटैक वियतनाम कं. लि., वियतनाम
3. मै. न्यूस्टार डिजिटल, द. कोरिया

विस्तारित समय में निर्यातकों से समस्त सूचना पूर्ण कर प्रश्नावली प्रस्तुत करने की आशा की गई थी परन्तु यह बात जानकारी में आई थी कि कुछ सूचना या तो अधूरी थी या नहीं दी गई थी। तथापि, प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ अधिकतम संभव सूचना पर अनंतिम रूप से विश्वास करने का निर्णय लिया। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ कमियों में सुधार और सत्यापन के बाद ही विचार किया जाएगा।

(ट) अन्य निर्यातक एवं आयातक जिन्होंने सूचना प्रस्तुत नहीं की है, उन्हें असहयोगी निर्यातक एवं आयातक माना जा रहा है।

(ठ) सिविल अपील सं. 2001 की 1294 में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में संबद्ध देशों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

ख. विचाराधीन उत्पाद

5. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद कॉम्पैक्ट डिस्क-रिकार्डबल (सीडी-आर) है।

6. सीडी-आर एक पॉलीकार्बोनेट डिस्क है, जिसके एक ओर एक स्पाइरल ग्रूव होती है, जिसमें होकर कोई जानकारी लिखने अथवा पढ़ने के लिए लेजर पुंज गुजरता है। डिस्क में स्पाइरल ग्रूव की तरफ वनस्पति आधारित जैविक रंजक की एक तह की पतली कोटिंग होती है और उस पर चाँदी, चान्दी की मिश्रधातु अथवा सोने की पतली चमकदार परत होती है। अन्त में धातु परावर्तक के ऊपर फोटो-पॉलीमराइजेबल लेकर की एक रक्षक परत चढ़ाकर इसे यूवी इर्रडिएशन से सुरक्षित कर दिया जाता है। ऐसी डिस्क पर रिकार्डिंग केवल एक बार की जा सकती है, अतः इस डिस्क को “वर्म” (एक बार लिखें, अनेक बार पढ़ें) किस्म की डिस्क कहा जाता है। यह डिस्क डिजिटल डाटा अथवा संगीत के लिए एक ऑप्टिकल स्टोरेज माध्यम है।

7. यह उत्पाद आईटीसी (एचएस) तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण सं.8523.90.50 के अन्तर्गत वर्गीकृत है। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

ख. समान वस्तु

8. घरेलू उद्योग द्वारा “सीडी-आर” का विनिर्माण किया जाता है जो विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है और इसलिए उसे इस जांच के प्रयोजनार्थ समान वस्तु माना जा रहा है। संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित और भारत में आयातित संबद्ध वस्तु तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कॉम्पैक्ट डिस्क-रिकॉर्डेबल तुलनीय हैं और भौतिक, तकनीकी गुणावगुणों, कार्यों एवं प्रयोगों के रूप में तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। अतः, वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कॉम्पैक्ट डिस्क-रिकॉर्डेबल को संबद्ध देशों से आयातित डिस्क-रिकॉर्डेबल के समान वस्तु माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग की स्थिति एवं जाँच की शुरुआत

9. यह आवेदन ऑप्टिकल डिस्क मैनुफेक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन, नई दिल्ली (ओडीएमए) द्वारा दायर किया गया है, जिसके भारत में संबद्ध वस्तुओं के 8 उत्पादक हैं। सम्बद्ध वस्तुओं के चार उत्पादक आवेदन में आवेदक के रूप में सम्बद्ध हैं और ओडीएमए के चार अन्य सदस्यों ने याचिका का समर्थन किया है। अतः आवेदक का भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के पूर्ण उत्पादन में 90% से अधिक योगदान है। इसके अतिरिक्त, तीन कंपनियाँ जिन्होंने मिलकर आवेदन किया है, नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनती हैं।

अन्य मुद्दे

10. नियम 6(3) के अंतर्गत आवेदन का प्रावधान- मै. साइटेक वियतनाम कं. लि. ने कहा है कि नियम 6 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अद्यतन आवेदन जिसके आधार पर जाँच शुरू की गई थी, का सम्पूर्ण पाठ उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 6(3) की अपेक्षानुसार निर्यातकों एवं संबद्ध देशों की सरकारों को आवेदन की प्रतियाँ प्रदान की गई थीं। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक फाइल, जिसे सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा गया था, में रखकर सूचना एवं साक्ष्य (अगोपनीय रूपान्तर) को उपलब्ध रखा गया था।

11. नियम 9क(3) के अनुसार भूतलक्षी प्रभाव से शुल्क अधिरोपण घरेलू उद्योग ने विरोध किया है कि तुलनात्मक रूप से लघु अवधि में अत्यधिक आयात हुए हैं। यह भारत में संबद्ध देशों के आयातों के 100% तथा देश में खपत में अत्यधिक बाजार हिस्से से स्वतः स्थापित है। जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे आयातों का स्थान वर्तमान देशों से आयातों द्वारा लेने से यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है कि आयातक जानबूझ कर पाटन का सहारा ले रहे हैं। पाटन का अपना इतिहास है। निर्यातकों को यह जानकारी है कि वे पाटन का सहारा ले रहे हैं। आयातकों को जानकारी है या होनी चाहिए कि निर्यातकों द्वारा पाटन का सहारा लिया जा रहा है। अतः, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(3) के अनुसार भूतलक्षी रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए यह सही मामला है।

12. आयातों से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराके प्राधिकारी को यह सूचित किया गया है कि प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जाँच शुरू किए जाने के परिणामस्वरूप तथा पाटनरोधी शुल्क की प्रत्याशा में आयातों की मात्रा में अभूतपूर्व वृद्धि हुई थी। यह सूचित किया गया है कि अप्रैल-जून, 07 में 10.85 मिलि. नग और जुलाई, 07 में 1.88 मिलि. नग की तुलना में अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, 07 में संबद्ध वस्तु के आयात क्रमशः 14.18, 16.98 और 45.51 मिलि. नगों के हुए थे।

13. निर्यातक मै. राइटैक वियतनाम कं. लि. ने कहा है कि वियतनाम ने संबद्ध वस्तु का उत्पादन पहली बार जाँच अवधि में ही शुरू किया है। अतः, हम यह स्पष्ट करने की स्थिति में नहीं हैं कि उन पर किस प्रकार पाटन के इतिहास का आरोप लगाया जा सकता है। अन्य देशों के लिए भी कोई साक्ष्य नहीं है। यह इंगित किया गया है कि घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में केवल कानूनी प्रावधानों का उल्लेख किया है और धारा 9क(3) लागू करने के लिए कोई समर्थन या आधार या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, धारा 9क(3) के अंतर्गत भूतलक्षी लेवी जारी करने की जाँच करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास रिकॉर्ड में कोई सामग्री नहीं है।

14. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और निर्यातकों के तर्कों को नोट किया है। सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियाँ प्राप्त होने पर प्रारंभिक जाँच परिणामों के पश्चात मुद्दे पर विस्तारपूर्वक निर्णय लिया जाएगा।

घ. पाटन मार्जिन के परिकलन की पद्धति

घ.1. थाइलैंड

15. जाँच शुरूआत अधिसूचना के उत्तर में थाइलैंड के एक निर्यातक अर्थात् मै. पैन स्टार इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि. ने निर्यातक प्रश्नावली के संबंध में सूचना प्रस्तुत की थी। सूचना की जाँच से यह प्रदर्शित होता है कि निर्यातक ने घरेलू निर्यात बिक्री और उत्पादन लागत के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। उत्पादन लागत के परिकलन (परिशिष्ट- 8) से यह प्रदर्शित हुआ कि घरेलू बिक्रियाँ उत्पादन लागत से कम कीमत पर की गई थीं। परिशिष्ट 8 में प्रस्तुत आंकड़ों में पैकिंग सामग्री की लागत को शामिल नहीं किया गया था। यह भी देखा गया था कि घरेलू एवं निर्यात बिक्रियों पर व्ययों के संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई थी।

थाइलैंड के लिए सामान्य मूल्य

16. सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ प्राधिकारी ने मै. पैन स्टार इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि. द्वारा प्रस्तुत घरेलू बिक्री एवं उत्पादन लागत संबंधी आंकड़ों की जाँच की है। जाँच करने पर यह पाया गया था कि स्टॉक के आँकड़े मेल नहीं खाते हैं। कंपनी संबद्ध वस्तु के व्यापार में भी संलग्न प्रतीत हुई। यह भी देखा गया है कि परिशिष्ट 7 एवं 8 के आँकड़े एक-दूसरे से नहीं मिलते। निर्यातक द्वारा पैरा 7 में प्रस्तुत आँकड़ों के आधार पर लागत का परिकलन किया गया है। परिकलन के अनुसार, सीडी-आर की प्रति यूनिट लागत कीमत *** बाह्य बनती है। तुलना के बाद यह पाया गया है कि घरेलू बिक्री उत्पादन लागत से कम कीमत पर की गई थी, इसलिए सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9(क)(ग) के अनुसार घरेलू बिक्री सौदों को व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हुआ नहीं माना जा सकता है।

17. पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) के अनुसार थाइलैंड के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्यातक की उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए ऊपर परिकलित उत्पादन लागत में 5% की दर से लाभ को जोड़ा गया है। इस पद्धति से थाइलैंड के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम. डॉ. प्रति 1000 नग बनता है।

मै. पैन स्टार इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

18. निर्यातक ने भारत को निर्यात के सौदे-वार ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों की जाँच और डीजीसीआई एण्ड एस के आयात आँकड़ों के साथ उसकी तुलना के बाद यह पाया गया है कि डीजीसीआई एण्ड एस के आँकड़ों में निर्यातक के निर्यात सौदों को निम्नतर मूल्य पर सूचित किया गया है। प्राधिकारी ने डीजीसीआई एण्ड एस सौदों में सूचित मूल्य को स्वीकार किया है। मूल्य में अंतर के लिए समायोजन किया गया है। निर्यात एफओबी आधार पर किए गए हैं, तथापि निवल निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए कमीशन, अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन व्ययों एवं बैंक प्रभारों के कारण व्ययों को प्रस्तुत नहीं किया गया है। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उसके लिए समायोजन किया गया है। उपर्युक्त पद्धति से निवल निर्यात कीमत *** अम. डॉ. प्रति 1000 नग परिकलित हुई है।

असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

19. असहयोगी निर्यातकों के लिए इम्पेक्स सांख्यिकी द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदे-वार आयात आँकड़ों पर विश्वास किया गया है। निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय प्रभार, पत्तन व्यय तथा बैंक प्रभार के लिए समायोजन किए गए हैं। उपर्युक्त पद्धति से निवल निर्यात कीमत *** अम. डॉ. प्रति 1000 नग परिकलित हुई है।

घ. कोरिया आर.ओ.के.

20. जाँच शुरुआत अधिसूचना के उत्तर में कोरिया आर.ओ.के. के एक निर्यातक अर्थात् मै. न्यूस्टार डिजिटल ने निर्यातक प्रश्नावली के संबंध में सूचना प्रस्तुत की थी। सूचना की जाँच से यह प्रदर्शित होता है कि निर्यातक ने घरेलू एवं निर्यात बिक्रियों के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। तथापि, उत्पादन लागत संबंधी आँकड़ों को विस्तारपूर्वक विहित प्रपत्र में प्रस्तुत नहीं किया गया है। आँकड़ों के उचित विवरण की अनुपस्थिति में यह आकलन करना संभव नहीं है कि क्या घरेलू बिक्रियाँ सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9(क)(ग) के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई हैं। इसी प्रकार, घरेलू एवं निर्यात बिक्रियों के संबंध में सौदे-वार ब्यौरों से संबंधित व्ययों को प्रस्तुत नहीं किया गया है।

कोरिया आर.ओ.के. के लिए सामान्य मूल्य

21. सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी उत्पादन लागत संबंधी ब्यौरों की अनुपस्थिति में यह निर्धारण नहीं कर सके हैं कि क्या घरेलू बिक्रियाँ व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई हैं, इसलिए सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ घरेलू बिक्री संबंधी आँकड़ों पर विश्वास नहीं किया गया है। सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास किया है।

22. पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) के अनुसार कच्ची सामग्रियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत एवं खपत, घरेलू उद्योग के प्रमुख उत्पादक की परिवर्तन लागत के आधार पर कोरिया आर.ओ.के. के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए 5% की दर से लाभ जोड़ा गया है। इस पद्धति से कोरिया आर.ओ.के. के लिए सामान्य मूल्य *** अम. डा. प्रति 1000 नग निर्धारित हुआ है।

मै. न्यूस्टर डिजिटल के लिए निर्यात कीमत

23. निर्यातक ने भारत को निर्यातों का सौदे-वार ब्यौरा प्रस्तुत किया है। निर्यात कीमत के परिकलन के लिए उस पर विश्वास किया गया है। निर्यात सीआईएफ कीमत पर किए गए प्रतीत होते हैं, तथापि निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन व्यय तथा बैंक प्रभार के कारण व्यय प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उक्त के लिए समायोजन किए गए हैं। उक्त पद्धति से निवल निर्यात कीमत *** अम. डा. प्रति 1000 नग परिकलित होती है।

असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

24. असहयोगी निर्यातकों के लिए इम्पेक्स सांख्यिकी द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदे-वार आयात आँकड़ों पर विश्वास किया गया है। निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय प्रभार, पत्तन व्यय तथा बैंक प्रभार के लिए समायोजन किए गए हैं। उपर्युक्त पद्धति से निवल निर्यात कीमत *** अम. डा. प्रति 1000 नग परिकलित हुई है।

घ.3 वियतनाम

25. जांच शुरुआत के स्तर पर प्राधिकारी ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ वियतनाम को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था मानकर इस परिकल्पना के आधार पर कार्रवाई की। जांच शुरुआत किए जाने पर प्राधिकारी ने वियतनामी उत्पादकों को जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर देने और उनके बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे के निर्धारण के संगत सूचना मुहैया कराने की सलाह दी।

26. प्राधिकारी ने नियमावली की धारा 9क(1) (ग) और अनुबंध-1 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियां प्रेषित की। प्रश्नावली के उत्तर में मै0 रिटेक वियतनाम कं0 लि0 ने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना का खण्डन करने के लिए सूचना उपलब्ध कराई।

27. बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार से संबंधित निर्यातक के प्रत्युत्तर तथा अंतिम निर्णय, उपलब्ध कराई गई सूचना के सत्यापन के पश्चात लिए जाएंगे।

28. निर्यातक ने निर्यात बिक्री और उत्पादन की लागत से संबंधित सूचना उपलब्ध कराकर निर्यातक प्रश्नावली भी प्रस्तुत की है। यह नोट किया गया है कि निर्यातक द्वारा जांच अवधि के दौरान कोई घरेलू बिक्री नहीं की गई है। लागत संबंधी सूचना की जांच करने पर यह पाया गया है कि स्टॉक का निपटान नहीं हुआ है। उत्पादन और बिक्री के अंतर का समाधान नहीं किया जा सकता है। ऐसा संबद्ध वस्तु के व्यापार की वजह से हुआ प्रतीत होता है। तथापि, इस संबंध में लागत संबंधी कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। समुचित सूचना की अनुपस्थिति के मद्देनजर, प्राधिकारी ने परिशिष्ट -8 में उपलब्ध कराई गई सूचना का आश्रय नहीं लिया है। अतः प्राधिकारी ने परिशिष्ट -7 के अनुसार लागत की गणना की है, गणना के अनुसार सीडी-आर की प्रति इकाई लागत *** वीएनडी बनती है।

वियतनाम के लिए सामान्य मूल्य

29. वियतनाम के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्यातक के उत्पादन की लागत के आधार पर किया गया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए, ऊपर गणना की गई उत्पादन की लागत में 5% की दर से लाभ जोड़ दिया गया है। इस विधि द्वारा वियतनाम के लिए सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति 1000 नग निर्धारित किया गया है।

मै0 रिटेक वियतनाम कं.लि. के लिए निर्यात कीमत

30. निर्यातक ने भारत को निर्यात के सौदेवार ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। इन पर निर्यात कीमत के परिकलन के लिए निर्भर रहा गया है। निर्यात सीआईएफ आधार पर किए गए हैं तथापि समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन व्यय और बैंक प्रभारों के आधार पर किए गए व्ययों को निवल निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इनके लिए समायोजन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किए गए हैं। उपर्युक्त विधि द्वारा निवल निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति 1000 नग बनती है।

असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

31. असहयोगी निर्यातकों के लिए इम्पेक्स सांख्यिकी द्वारा मुहैया कराए गए सौदे-वार आयात आंकड़ों पर निर्भर रहा गया है। समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन व्यय तथा बैंक प्रभारों के आधार पर समायोजन, निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए किए गए हैं। उपर्युक्त विधि से निवल निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति 1000 नग बनती है।

घ.4 ईरान

सामान्य मूल्य

32. ईरान के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है। किसी प्रत्युत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों का सहारा लिया है। इस प्रयोजनार्थ, सामान्य मूल्य का निर्धारण कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमत व खपत, घरेलू उद्योग के प्रमुख उत्पादक की परिवर्तन लागत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए 5% की दर से लाभ को जोड़ा गया है। इस विधि से ईरान के लिए सामान्य मूल्य *** अम0डा0 प्रति 1000 नग निर्धारित किया गया है।

निर्यात कीमत

33. असहयोगी निर्यातकों के लिए इम्पेक्स सांख्यिकी द्वारा मुहैया कराए गए सौदे-वार आयात आंकड़ों पर निर्भर रहा गया है। समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन व्यय तथा बैंक प्रभारों के आधार पर समायोजन, निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए किए गए हैं। उपर्युक्त विधि से निवल निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति 1000 नग बनती है।

घ.5 मलेशिया

सामान्य मूल्य

34. मलेशिया के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है। किसी प्रत्युत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों का सहारा लिया है। इस प्रयोजनार्थ, सामान्य मूल्य का निर्धारण कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमत व खपत, घरेलू उद्योग के प्रमुख उत्पादक की परिवर्तन लागत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए 5% की दर से लाभ को जोड़ा गया है। इस विधि से ईरान के लिए सामान्य मूल्य *** अम0डा0 प्रति 1000 नग निर्धारित किया गया है।

निर्यात कीमत

35. असहयोगी निर्यातकों के लिए इम्पेक्स सांख्यिकी द्वारा मुहैया कराए गए सौदे-वार आयात आंकड़ों पर निर्भर रहा गया है। समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन व्यय तथा बैंक प्रभारों के आधार पर समायोजन, निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए किए गए हैं। उपर्युक्त विधि से निवल निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति 1000 नग बनती है।

घ.6 यूएई सामान्य मूल्य

36. यूएई के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है। किसी प्रत्युत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों का सहारा लिया है। इस प्रयोजनार्थ, सामान्य मूल्य का निर्धारण कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमत व खपत, घरेलू उद्योग के प्रमुख उत्पादक की परिवर्तन लागत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए 5% की दर से लाभ को जोड़ा गया है। इस विधि से ईरान के लिए सामान्य मूल्य *** अम0डा0 प्रति 1000 नग निर्धारित किया गया है।

निर्यात कीमत

37. असहयोगी निर्यातकों के लिए इम्पेक्स सांख्यिकी द्वारा मुहैया कराए गए सौदे-वार आयात आंकड़ों पर निर्भर रहा गया है। समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन व्यय तथा बैंक प्रभारों के आधार पर समायोजन, निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए किए गए हैं। उपर्युक्त विधि से निवल निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति 1000 नग बनती है।

पाटन मार्जिन

33. ऊपर निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर सहयोगी और असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नलिखित तालिका के अनुसार निर्धारित किया गया है :-

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य (अम.डा./1000 नग)	निर्यात कीमत (अम.डा./1000 नग)	पाटन मार्जिन (अम.डा./1000 नग)	पाटन मार्जिन (%)
ईरान (सभी निर्यातक/उत्पादक)	***	***	***	77.79
मलेशिया (सभी निर्यातक/उत्पादक)	***	***	***	56.29
थाईलैंड				
पेनस्टार इलेक्ट्रॉनिक्स कं.लि.	***	***	***	19.59
पेनस्टार से इतर सभी निर्यातक/उत्पादक	***	***	***	32.57
कोरिया				
न्यूस्टार डिजिटल	***	***	***	71.63
न्यूस्टार डिजिटल से इतर सभी निर्यातक/उत्पादक	***	***	***	105.61
यूएई (सभी निर्यातक/उत्पादक)	***	***	***	100.70
वियतनाम	***	***	***	
रिटेक वियतनाम कं.लि.	***	***	***	80.61
रिटेक वियतनाम कं. लि. से इतर सभी निर्यातक/उत्पादक	***	***	***	94.29

39. इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन पर्याप्त है और न्यूनतम स्तर से ऊपर है।

500762/07-2

ड. क्षति निर्धारण की विधि और कारणात्मक संबंधों की जांच

क्षति निर्धारण

40. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ संबंध देशों से समूचे आयात को पाटित आयात के रूप में माना गया है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

वर्तमान और प्रत्याशित मांग के मद्देनजर, घरेलू उद्योग ने चालू वर्ष के दौरान क्षमता में अभिवृद्धि की है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग संबंध देशों द्वारा अधिग्रहित अन्य देशों के पर्याप्त बाजार हिस्से के बावजूद अपने क्षमता उपयोग को कायम रखने में समर्थ रहा है। घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता में वृद्धि की तर्ज पर बढ़ा है। संबंध देशों का बाजार हिस्सा आयात में प्रभावी वृद्धि के परिणामस्वरूप बढ़ा है। परिणामस्वरूप, उन देशों जिन पर पाटनरोधी शुल्क लग रहा है, के बाजार हिस्से में गिरावट आई और घरेलू उद्योग को अपने बाजार हिस्से को बढ़ाने तथा अपने गंवाए गए बाजार हिस्से को वापस प्राप्त करने में रूकावट आई। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में, क्षमता और उत्पादन में बढ़ोतरी के परिणामस्वरूप वृद्धि हुई। आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय कीमत कटौती हो रही है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत जो पूर्ववर्ती स्रोतों से पाटन के कारण कुछ प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप सितम्बर, 2006 तक बढ़ रही थी, में एक बार फिर वर्तमान प्रस्तावित जांच अवधि में गिरावट आई बताई जा रही है। बिक्री कीमत में गिरावट, उत्पादन की लागत में बिना किसी संगत गिरावट के थी। अतः आयातों से बाजार में संबंध वस्तु की कीमत में कमी आ रही है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में उन देशों जो पहले पाटन कर रहे थे के विरुद्ध जांच शुरू किए जाने पर वृद्धि हुई। पूर्ववर्ती मामले की जांच शुरू किए जाने के पश्चात मालसूची में गिरावट आई। तथापि मालसूची में एक बार फिर वृद्धि होनी शुरू हो गई है और यह पहले देखे गए स्तर से ऊपर चली गई है। रोजगार में, स्थापित क्षमता में वृद्धि होने की तर्ज पर सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग में अप्रैल-सितम्बर, 2006 की अवधि में धनात्मक वृद्धि शुरू हुई जिसमें एक बार फिर प्रस्तावित जांच अवधि में कमी आई। पूर्ववर्ती जांच शुरू किए जाने के साथ ही घरेलू उद्योग कुछ नवीन निवेश करने में समर्थ रहा है। तथापि, घरेलू उद्योग दीर्घावधि में व्यवहार्य नहीं बना रहेगा यदि बाजार में उल्लेखनीय स्तर का पाटन होता है। अतः यह देखा जाएगा कि घरेलू उद्योग को एक बार फिर भौतिक क्षति का सामना करना पड़ेगा। मौजूदा पाटन पूर्ववर्ती पाटनरोधी शुल्क के आरोपण के प्रभाव को कम कर रहा है। छह महीने की अवधि में संबंध देशों से आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है और उन्होंने अन्य देशों से आयातों का स्थान ले लिया है। यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रहती है तो संबंध देशों से आयात अन्य आयातों को पूरी तरह से प्रतिस्थापित कर देंगे और जिन देशों पर इस समय पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनके द्वारा पूर्व में दर्ज की गई मात्रा तक पहुँच जाएँगे। संबंध देशों से सीआईएफ आयात कीमत बहुत कम है और जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनकी पूर्व की कीमतों के बराबर है। परिणामस्वरूप, एक बार फिर घरेलू उद्योग अपनी कीमतें घटाने के लिए बाध्य हुआ है। घरेलू उद्योग द्वारा अनुभव किया गया कीमत ह्रास पाटित आयातों के कारण था। यद्यपि उत्पादन लागत में कोई कमी नहीं हुई थी, फिर भी बिक्री कीमत में कमी के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी हुई थी। अतः घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में एक बार फिर कमी हो गई थी और इसमें फिर गंभीर क्षरण हो रहा है। पाटित आयातों के कारण कीमत ह्रास जिसके परिणामस्वरूप लाभ में कमी हुई है, से लगाई गई पूंजी पर आय तथा नकद प्रवाह में गिरावट आई है। अतः यह स्पष्ट है कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

41. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के संबंध में उपर्युक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को नोट किया है और इन जांच परिणामों में अनंतिम क्षति निर्धारण और कारणात्मक संबंध विश्लेषण के प्रयोजनार्थ अनिवार्य कारकों की जांच की थी।

ड.1 क्षति का संचयी मूल्यांकन

42. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iii) में यह अपेक्षा की गई है कि जहां एक से अधिक देश से एक साथ किसी उत्पाद का आयात पाटनरोधी जांचों के अधधीन होता है वहाँ निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का मूल्यांकन करेंगे, बशर्ते यह निर्धारित होता हो कि

- I. अलग-अलग देशों से आयात न्यूनतम स्तर से ऊपर है अथवा संचयी रूप से आयातों के 7% से ज्यादा है;
- II. अलग-अलग देशों के विरुद्ध पाटन मार्जिन 2% से अधिक है; और
- III. आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन, आयातित वस्तुएं और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियों के आलोक में उचित है।

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयात संबद्ध देशों सहित अनेक देशों से एक साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। अतः इन स्रोतों से पाटित आयातों की वजह से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी मूल्यांकन के मुद्दे की उपर्युक्त मानदण्डों के संबंध में जांच की है और यह पाया गया है कि:

- i. प्रत्येक संबद्ध देशों/क्षेत्रों से पृथक-पृथक उत्पादों के पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- ii. प्रत्येक संबद्ध देशों/क्षेत्रों से पृथक-पृथक उत्पादों के आयात की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- iii. घरेलू उत्पाद और विभिन्न देशों में उत्पादक द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद समान वस्तुएं हैं;
- iv. संबद्ध देशों से आयात, बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय कटौती कर रहे हैं;

44. प्राधिकारी मानते हैं कि इस मामले में क्षति का संचयी आकलन उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से पृथक-पृथक उत्पादों के निर्यात स्वयं अपनों के बीच तथा भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित समान वस्तुओं के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

ड.2 क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच

45. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति जांच में “..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों पर विचार करते हुए” उन कारकों जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चलता है की जांच अंतर्ग्रस्त होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करनी आवश्यक समझी गई है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा उल्लेखनीय कीमत कटौती की गई है, अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को उल्लेखनीय स्तर तक कम करने अथवा कीमत वृद्धि को रोकने के लिए है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

46. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उन संकेतकों जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है यथा उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन का परिमाण और मार्जिन आदि पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-॥ के अनुसार विचार किया गया है।

47. उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसे ऊपर दर्शाए गए सभी आर्थिक मानदण्ड जो घरेलू उद्योग को प्रभावित करते हैं कि निम्नानुसार जांच की गई है।

आयात

48. सीडीआर सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 8923.90.50 के तहत विशिष्ट स्प से आयात योग्य है, तथापि, इम्पेक्स सांख्यिकी से आयातों के सौदे-वार आंकड़े दर्शाते हैं कि आयात विभिन्न सीमाशुल्क टैरिफ शीर्षों के तहत किए गए हैं। डीजीसीआई एंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में आबद्ध वर्गीकरण के अधीन किए गए आयातों से इतर आयात को अभिग्रहित किया गया है, इसलिए, इम्पेक्स सांख्यिकी के आंकड़ों पर विश्लेषण के लिए निर्भर रहा गया है।

ड.3 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव: आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

क) आयात मात्रा

49. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी से यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष, पाटित आयातों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

50. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा को असंबंधित उत्पादों के लिए आंकड़ों की छंटनी करने के पश्चात इम्पेक्स सांख्यिकी में दर्ज आंकड़ों के आधार पर विश्लेषित किया गया है। आयात आंकड़े निम्नानुसार हैं :-

आयात मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
आयात						
ईरान	लाख नग	0	0	0	73.45	58.76
कोरिया	लाख नग	10	14.3	13.41	91.94	73.55
मलेशिया	लाख नग	101.62	72.7	37.84	244.31	195.45
थाइलैंड	लाख नग	4	4.05	7.08	301.9	241.52
यूएई	लाख नग	0.17	3.19	6.6	80.58	64.46
वियतनाम	लाख नग	0	0	0	396.78	317.42
वे देश जिन पर शुल्क लग रहा है	लाख नग	956.9	1739.9	1349.7	1248.82	999.06
अन्य देश	लाख नग	24.62	81.51	27.54	9.67	7.74
संबद्ध देश	लाख नग	115.79	94.24	64.93	1188.96	951.17
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	81	56	1,027	821

कुल आयात	लाख नग	1097.31	1915.7	1442.2	2447.45	1,957.96
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	175	131	223	178
आयातों में बाजार हिस्सा						
ईरान	%	-	-	-	3.00	3.00
कोरिया	%	0.91	0.75	0.93	3.76	3.76
मलेशिया	%	9.26	3.79	2.62	9.98	9.98
थाइलैंड	%	0.36	0.21	0.49	12.34	12.34
यूएई	%	0.02	0.17	0.46	3.29	3.29
वियतनाम	%	-	-	-	16.21	16.21
वे देश जिन पर शुल्क लग रहा है	%	87.20	90.83	93.59	51.03	51.03
अन्य देश	%	2.24	4.25	1.91	0.40	0.40
संबद्ध देश	%	10.55	4.92	4.50	48.58	48.58

51. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि कुल आयात और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयात में क्षति जांच अवधि के दौरान 721% की ठोस वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा 2005-06 में मात्र 4.5% से बढ़कर जांच अवधि में 48.58% हो गया। जांच अवधि के दौरान आयातों के ब्यौरे से यह पता चलता है कि अप्रैल 2006 से सितम्बर 2006 तक संबद्ध देशों का हिस्सा 8.87% था जो अक्टूबर, 2006 - मार्च 2007 में बढ़कर 94.51% हो गया और अप्रैल-जून, 2007 में और बढ़कर 96.64% हो गया। उन देशों जिन पर पाटनरोधी शुल्क लग रहा है का हिस्सा 2005-06 में 93.59 से गिरकर जांच अवधि में 51.03% हो गया जो यह दर्शाता है कि आयातों की समूची वृद्धि, संबद्ध देशों से आयातों की वजह से हुई है।

ii) मांग, उत्पादन और बाजार हिस्सा

क) मांग में वृद्धि

मांग	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग	लाख नग	2,836.82	4,314.34	4,399.48	6,693.25	5,354.60
कुल आयात	लाख नग	1,097.31	1,915.69	1,442.20	2,447.44	1,957.95
अन्य भारतीय उत्पादक	लाख नग	638.12	1,006.97	1,491.42	2,510.87	2,008.70
कुल मांग	लाख नग	4,572.24	7,237.01	7,333.11	11,651.56	9,321.24
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	158.28	160.38	254.83	203.87

52. संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और सभी देशों से सभी आयातों को जोड़कर किया गया है। आंकड़ों की प्रवृत्ति दर्शाती है कि संबद्ध वस्तुओं हेतु मांग आधार वर्ष से जांच अवधि तक बढ़ी थी। इसमें आधार वर्ष अर्थात् 2003-04 की तुलना में जांच अवधि (वार्षिकीकृत) के दौरान 104% की वृद्धि हुई थी।

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
क्षमता	लाख नग	18,800	20,311	18,922	25,630	20,504
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108.04	100.65	136.33	109.06
उत्पादन	लाख नग	15,181	18,972	18,248	22,946	18,357
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124.97	120.20	151.15	120.92
क्षमता उपयोग	%	80.75	93.41	96.44	89.53	89.53
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115.67	119.42	110.87	110.87

53 क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता प्रयोग के संबंध में घरेलू उद्योग के आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि वर्ष 2003-03 में घरेलू उद्योग की क्षमता 18800 लाख नग थी और वार्षिकीकृत जांच अवधि के दौरान बढ़कर 20504 हो गई थी। वर्ष 2003-04 के दौरान संबद्ध वस्तु का उत्पादन 15181 लाख नग था जिसमें 2004-05 में वृद्धि हुई और उसके बाद 2005-06 में गिरकर 18248 लाख नग रह गया तथा वार्षिकीकृत जांच अवधि में बढ़कर 18357 लाख नग हो गया।

घरेलू उद्योग की बिक्री

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग	लाख नग	2,837	4,314	4,399	6,694	5,355
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	152	155	189	189
निर्यात बिक्री	लाख नग	11440	13553	13940	15610	12488
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	122	109	109
औसत वस्तु सूची	लाख नग	97	1068	1,993	2,158	2,158
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	1101	2055	2225	2225
बिक्री दिनों की संख्या	दिन	12	90	165	147	147

54 बिक्री संबंधी आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2003-04 के दौरान 2837 लाख नग संबद्ध वस्तु की बिक्री की और यह वार्षिकीकृत जांच अवधि के दौरान बढ़कर 5355 लाख नग हो गई। मूल वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में 189 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की औसत वस्तु सूची से पता चलता है कि वर्ष 2003-04 में औसत स्टॉक 97 लाख नग था जो जांच अवधि के दौरान बढ़कर 2158 लाख नग हो गया था। बिक्री दिनों की संख्या के रूप में औसत वस्तु सूची 2003-04 में 12 बिक्री दिनों के बराबर थी और मूल वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़ कर 147 बिक्री दिन हो गई।

मांग तथा बाजार हिस्सा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
अनुमानित मांग	लाख नग	4,572	7,237	7,333	11,652	9,321
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	158.28	160.38	254.83	203.87
संबद्ध देशों से आयात	लाख नग	116	94	65	1,189	951
पाटनरोधी शुल्क प्रभावित देश	लाख नग	957	1,740	1,350	1,249	999
अन्य देशों से आयात	लाख नग	25	82	28	10	8

घरेलू उद्योग की बिक्री	लाख नग	2,837	4,314	4,399	6,693	5,355
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	लाख नग	638	1,007	1,491	2,511	2,009
मांग में बाजार हिस्सा						
संबद्ध देशों से आयात	%	2.53	1.30	0.89	10.20	10.20
पाटनरोधी शुल्क प्रभावित देशों से आयात	%	20.93	24.04	18.41	10.72	10.72
अन्य देशों से आयात	%	0.54	1.13	0.38	0.08	0.08
घरेलू उद्योग को बिक्रियाँ	%	62.04	59.61	59.99	57.45	57.45
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	13.96	13.91	20.34	21.55	21.55

53 संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई देती है। इसमें मूल वर्ष की तुलना में वार्षिकृत जांच अवधि के दौरान 104 प्रतिशत की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग के बाजार अंश में, जिसमें वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हो रही थी, जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है। इसी अवधि में संबद्ध देशों का हिस्सा 2.53 प्रतिशत से बढ़कर 10.20 प्रतिशत हो गया है।

(ख) संबद्ध देशों से पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कीमत प्रभाव

(i) जाँचाधीन अवधि में कीमत का मूल्यांकन

निर्यात बिक्री	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
संबद्ध देश	रुपये/नग	3.69	2.00	3.18	3.92
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	54.20	86.18	106.23

54 निर्यात कीमतों से संबंधित आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि संबद्ध देशों की कीमतों में मूल वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 6:6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तथापि जांच अवधि के दौरान निर्यात कीमत के और अधिक विश्लेषण से यह पता चलता है कि अप्रैल 06 - मार्च 07 में औसत कीमत 4.04 रुपये/नग थी जो 3 माह के भीतर अर्थात् अप्रैल 07 - जून 07 में अत्यधिक कम होकर 3.58 रुपये/नग रह गई।

(ii) कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
बिक्री कीमत - डी आई	रुपये/नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	62.54	62.00	67.73
पहुँच मूल्य	रुपये/नग	4.09	2.12	3.18	3.92
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	51.77	77.77	95.68
कीमत कटौती	रुपये/नग	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
एन आई पी	रुपये/नग				***
कम कीमत पर बिक्री	रुपये/नग				***
कम कीमत पर बिक्री	%				***

57. कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत अवमूल्यन तथा कीमत ह्रास, यदि कोई है, के संदर्भ में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव की जाँच की गई है। इस विश्लेषण के उद्देश्य से घरेलू उद्योग के उत्पादन की भारित औसत लागत, भारित औसत निवल बिक्री आय (एनएसआर) तथा क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच लागत के साथ की गई है।

58. घरेलू उद्योग की भारित निवल बिक्री आय के निर्धारण में घरेलू उद्योग द्वारा दी जाने वाली रिबेट, छूट तथा कमीशन और प्रदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को शामिल नहीं किया गया है।

59. बिक्री कीमत की प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि मूल वर्ष की तुलना में इसे वर्ष 2004-05 में 63% तथा 2005-06 में 62% की गिरावट आई, तथापि मूल वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान इसमें 68% की गिरावट आई। जाँच अवधि के दौरान बिक्री कीमत के विश्लेषण से (घरेलू उद्योग के प्रमुख उत्पादक का, जिसके आँकड़ों की जाँच की गई है) से यह भी पता चलता है कि बिक्री कीमत में गिरावट की घोषणा अप्रैल, 07- जून, 07 में की गई थी जब यह मूल वर्ष की तुलना में गिरकर 58% रह गया था।

60. कीमत कटौती का निर्धारण पूरी जाँच अवधि में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य के साथ उसी अवधि में घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री आय की तुलना के द्वारा किया गया है। इस उद्देश्य हेतु आयातों के पहुँच मूल्य का आकलन (संबद्ध वर्षों के लिए) संबद्ध देशों से आयात कीमतों के इम्पेक्स सांख्यिकीय आँकड़ों में दर्ज मूल्य में 1% प्रहस्तन प्रभार तथा लागू मूलभूत सीमाशुल्क को जोड़कर किया गया है। जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से भारित औसत कटौती 25-35% के वर्ग में थी।

61. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के लिए संबद्ध देशों से आयातों की भारित औसत पहुँच कीमतों की तुलना जाँच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से की गई है। जाँच अवधि के दौरान भारित औसत कम कीमत पर बिक्री 75-85% के वर्ग में थी।

(iii) पाटित आयातों का कीमत अवमूल्यन तथा ह्रास प्रभाव

62. संबद्ध देशों से उत्पादन की लागत, निवल बिक्री आय तथा पहुँच मूल्यों के संदर्भ में पाटित आयातों के कीमत अवमूल्यन प्रभाव की भी जाँच की गई है।

63. उत्पादन लागत की प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि मूल वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान भारित औसत बिक्री लागत में 0.81 रु./नग की गिरावट आई जबकि उसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 2.55 रु./- नग की गिरावट आई है जिससे यह प्रदर्शित होता है कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की निवल बिक्री आय पर कीमतों को कम करने का अत्यधिक दबाव था।

ड.4. अन्य क्षति मानकों की जाँच

64. घरेलू उद्योग की मात्रा तथा कीमतों पर पड़ित आयातों के प्रभाव तथा प्रमुख क्षति संकेतकों जैसे आयातों की मात्रा तथा मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, परिणाम, क्षमता प्रयोग और बिक्री के साथ-साथ पिछले खंड में विभिन्न वर्गों के बाजार हिस्से के साथ माँग पैटर्न की जाँच करने के बाद अन्य आर्थिक मानकों, जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी को दर्जा सकते हैं, का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :

लाभ तथा नकद प्रवाह परर वास्तविक और संभावित प्रभाव

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
बिक्री ² (एनएसआर)	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	62.54	62.00	67.73
उत्पादन की लागत	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	84.75	90.62	87.53
लाभ	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(41.55)	(72.16)	(25.11)
लाभ-पीबीआईटी	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(23.15)	(42.95)	(4.58)

65. आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत गिर कर 2004-05 में 85%, 2005-06 में 91% तथा मूल वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 88% हो गई थी जबकि उसी अवधि के दौरान भारित औसत निवल बिक्री कीमत 2004-05 में 63% तक 2005-06 में 62% तक तथा जाँच अवधि के दौरान 68% तक गिर गई थी। प्रति इकाई लाभ, जो मूल वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) था, 2004-05 में 41.55, 2005-06 में 72.16 तथा जाँच अवधि के दौरान 25.11 के नुकसान में बदल गया। जाँच अवधि के और अधिक विश्लेषण से पता चलता है कि अप्रैल- जून, 07 में प्रति इकाई नुकसान (प्रमुख उत्पादक का, जिसके आंकड़ों की जाँच कर ली गई है) अत्यधिक बढ़ गया। घरेलू उद्योग का लाभ (पीबीआईटी) जो वर्ष 2003-04 में 100 (सूचीबद्ध) था, वर्ष 2004-05 में 23.15, 2005-06 में 42.95 तथा जाँच अवधि के दौरान 4.58 के नुकसान में बदल गया।

निवेश पर आय

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
परिसंपत्तियाँ (एनएफए)	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	129.83	92.54	102.26
कार्यशील पूँजी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	99.18	75.79	122.57
नियोजित पूँजी (एनएफए)	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	119.41	86.84	109.16
पीबीआईटी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	(35.21)	(66.61)	(0.08)
नियोजित पूँजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(29.53)	(76.71)	(0.10)

66. नियोजित पूँजी से संबंधित आँकड़ों से पता चलता है कि मूल वर्ष की तुलना में इसमें 2004-05 में 19% तथा जाँच अवधि के दौरान 9% की वृद्धि हुई। स्थायी पूँजी तथा कार्यशील पूँजी में वृद्धि के कारण नियोजित पूँजी में वृद्धि हुई।

रोजगार

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	119.89	130.55	153.75

67. घरेलू उद्योग की विनिर्माण इकाई में संबद्ध वस्तु तथा इस जाँच में शामिल नहीं हुए अन्य उत्पादों दोनों का विनिर्माण होता है। संयंत्र के लिए कर्मचारियों की संख्या समग्र रूप में की गई है। उपरोक्त आँकड़ों से पता चलता है कि मूल वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में 54% की वृद्धि हुई है।

उत्पादकता

68. विचाराधीन उत्पाद तथा अन्य उत्पादों के लिए विनिर्माण इकाई एक ही है अतः संबद्ध वस्तु हेतु प्रति कर्मचारी उत्पादन का आकलन करना संभव नहीं है।

viii) वस्तु सूचियाँ

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
औसत वस्तु सूची	लाख नग	97	1068	1,993	2,158
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	1101	2055	2225

69. उपरोक्त आँकड़ों से पता चलता है कि मूल वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान औसत वस्तु सूची में लगभग 4 गुना वृद्धि हुई। वर्ष 2003-04 में औसत वस्तु सूची 12 बिक्री दिनों के बराबर थी जो जाँच अवधि के दौरान बढ़कर 147 दिन के बराबर हो गई।

वृद्धि

70. माँग में वृद्धि से मूल वर्ष से जाँच अवधि तक वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई देती है। उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि सकारात्मक थी।

(V) निवेश

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान क्षमता में वृद्धि के लिए घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु हेतु और पूँजी लगाई थी।

(vi) पाटन की सीमा

72. पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की सीमा के सूचक के रूप में पाटन की सीमा यह दर्शाती है कि उल्लिखित सम्बद्ध देशों हेतु निर्धारित पाटन मार्जिन जांच अवधि के दौरान अत्यधिक हैं।

(vii) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध देशों से आयातित सामग्री के पहुँच मूल्य, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम हैं, जिससे भारतीय बाजार में कीमत कटौती हो रही है। जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती अत्यधिक थी।

5.5 क्षति मानदण्डों से संबंधित निष्कर्ष

74. उपर्युक्त क्षति मानदण्डों की जांच से यह ज्ञात होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि 104 प्रतिशत (वार्षिकीकृत) थी। इसी अवधि में घरेलू उद्योग का उत्पादन 21 प्रतिशत बढ़ा, बिक्री में 89 प्रतिशत वृद्धि हुई। तथापि औसत मालसूची भी 4 गुना बढ़ गई। घरेलू उद्योग का हिस्सा 2003-04 में 62.04 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि के दौरान 57.45 प्रतिशत हो गया।

75. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री की लागत घटकर 88 प्रतिशत रह गई, जबकि इसी अवधि में निवल बिक्री कीमत घटकर 68 प्रतिशत रह गई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री लागत घटकर 0.81 रुपये प्रति नग रह गई, जबकि इसी अवधि में बिक्री कीमत भी घटकर 2.55 रुपये प्रति नग हो गयी, जिसने लाभप्रदता को प्रभावित किया। प्रति इकाई लाभ, जो आधार वर्ष में 100 (वार्षिकीकृत) था, जांच अवधि के दौरान घाटे में बदलकर 25.11 हो गया। ब्याज पूर्व लाभ (पी बी आई टी), जो आधार वर्ष में 100 (वार्षिकीकृत) था, जांच अवधि में घाटे में परिवर्तित होकर 4.58 रह गया। इसी प्रकार निवेश से आय जो आधार वर्ष के दौरान ऋणात्मक हो गई।

76. उपर्युक्त आर्थिक मानदण्डों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है।

ड.6 अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

77. प्राधिकारी ने अन्य कारकों से हुई क्षति, यदि कोई हो, को अलग करने के लिए कारणात्मक संबंध तथा नियमावली में यथा निर्धारित अन्य असंबंधित कारकों की भी जांच की है। इस संबंध में नियमावली में निर्धारित निम्नलिखित संकेतात्मक कारकों की जांच की गई है।

(i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा एवं कीमत

78 जांच अवधि के दौरान अन्य देशों, जो जांच में शामिल नहीं हैं, से आयात अत्यधिक है और सम्बद्ध देशों की आयात कीमतों से अधिक कीमतों पर किए गए हैं। कुछ अन्य देशों के आयातों, जिन पर पाटित आयातों के प्रभाव को दूर करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है, को घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाला कारक नहीं माना जा सकता।

(ii) मांग में संकुचन, खपत के तरीके में परिवर्तन एवं प्रौद्योगिकी का विकास

79 प्रौद्योगिकी के आगे और विकास तथा बाजार में नया उत्पाद आ जाने के कारण सम्बद्ध वस्तु की खपत के तरीके में परिवर्तन हो रहा है। तथापि भारत में जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की खपत में भारी वृद्धि देखी गई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की कुल मांग में 155 प्रतिशत वृद्धि देखी गई।

(iii) व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ एवं विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

80 प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसी कोई प्रतिबंधात्मक पद्धति प्रचालित नहीं है, जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

(iv) निर्यात निष्पादन

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
निर्यात बिक्री	लाख नग	11440	13553	13940	15610	12488
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	122	109	109

81 प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा वर्ष 2005-06 तक बढ़ती रही, तथापि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 10.4 प्रतिशत की गिरावट आई। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि निर्यात निष्पादन में गिरावट के कारण घरेलू बिक्री हेतु उपलब्ध स्टॉक में वृद्धि हो गई है। परन्तु घरेलू उद्योग मांग में अपने बाजार हिस्से को बनाए नहीं रख सका। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि क्षति अवधि हेतु वित्तीय कार्य निष्पादन का विश्लेषण केवल घरेलू बिक्री के सन्दर्भ में ही किया गया है। अतः निर्यात निष्पादन में गिरावट को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

(v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

82. प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता का आकलन नहीं किया जा सका, क्योंकि सम्बद्ध वस्तुओं तथा अन्य वस्तुओं, जो जांच के अधीन नहीं हैं, का विनिर्माण साझा विनिर्माण सुविधाओं द्वारा किया जा रहा है।

83. ऐसा कोई अन्य कारक भी, जिसके कारण घरेलू उद्योग को नुकसान संभावित हो, प्राधिकारी के ध्यान में नहीं आया है।

कारणात्मक संबंध

84. घरेलू उद्योग अन्य देशों से पाटित आयातों का सामाना कर रहा था, जिसके लिए दिनांक 6.10.2006 से पाटनरोधी शुल्क लगाए गए थे। पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद पाटित आयात अन्य देशों से आने शुरू हो गए, अतः घरेलू उद्योग ने इस जांच का अनुरोध किया। उपर्युक्त विश्लेषण यह दर्शाता है कि सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में दोनों रूपों में अर्थात् निरपेक्ष रूप से तथा मांग के हिस्से के रूप में वृद्धि हुई है। मांग में भारी वृद्धि के बावजूद सम्बद्ध देशों से बढ़ते आयातों ने घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से को अत्यधिक विस्थापित कर दिया है। वर्ष 2006-07 के दौरान सम्बद्ध देशों से भारत औसत पहुँच मूल्य 4.04 रुपये प्रति नग था जो अप्रैल, 2007 से जून, 2007 के दौरान घटकर 3.58 रुपये प्रति नग हो गया। इसी अवधि में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत में भी 0.80 रुपये प्रति नग की गिरावट आई। सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग में अत्यधिक कीमत कटौती व कम कीमत पर बिक्री हुई, जिसके कारण घरेलू उद्योग अपनी कीमतें आयात कीमतों के अनुरूप रखने पर विवश हो गया, जो यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग अपनी कीमतें घटाने पर विवश हो गया।

85. उपर्युक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि सम्बद्ध देशों से आयातित वस्तुएं अपने सामान्य मूल्यों, घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत और घरेलू उद्योग की औसत निवल बिक्री कीमत से कम कीमत पर आयात की गई हैं, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, जो सम्बद्ध वस्तुओं के पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की ओर संकेत करती है।

च. निष्कर्ष

उपर्युक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:-

क. सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है;

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

ग. क्षति सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

छ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

86. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन, पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है, ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल हो सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा, अतः इससे उपभोक्ताओं के लिए इन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

ज. सिफारिश

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को सूचना दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलू पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था । विनिर्दिष्ट नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन और घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की अंतिम जांच शुरू करने और पूरा करने के बाद और संबद्ध देश के विरुद्ध निश्चित रूप से सकारात्मक पाटन मार्जिन और ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति स्थापित करने के पश्चात प्राधिकारी का विचार है कि पाटन एवं क्षति को निष्प्रभावी करने के लिए निश्चयात्मक शुल्क लगाना अपेक्षित है ।

88 अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात पर नीचे विनिर्दिष्ट विधि एवं ढंग से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं ।

89. प्राधिकारी द्वारा अनुसरण किए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा करते हैं। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ मद	माल का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	8523.90.50	कॉम्पैक्ट डिस्क रिकॉर्डेबल (सीडी-आर) एक बार लिखे बार-बार पढ़ें	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	मै. पैन स्टार इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि.	मै. पैन स्टार इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि.	0.74	प्रति नग	भारतीय रुपए
2.	वही	वही	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	मै. पैन स्टार इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि.	उपर्युक्त से भिन्न कोई	0.74	प्रति नग	भारतीय रुपए
5.	वही	वही	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	उपर्युक्त से भिन्न कोई	उपर्युक्त से भिन्न कोई	1.11	प्रति नग	भारतीय रुपए
6.	वही	वही	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड से भिन्न कोई देश	कोई	कोई	1.11	प्रति नग	भारतीय रुपए
7.	वही	वही	संबद्ध देश से भिन्न अन्य देश	थाइलैण्ड	कोई	कोई	1.11	प्रति नग	भारतीय रुपए
12.	वही	वही	वियतनाम	वियतनाम	मै. राइटैक वियतनाम कं. लि.	मै. राइटैक वियतनाम कं. लि.	3.04	प्रति नग	भारतीय रुपए
13.	वही	वही	वियतनाम	वियतनाम	मै. राइटैक वियतनाम कं. लि.	उपर्युक्त से भिन्न कोई	3.04	प्रति नग	भारतीय रुपए
14.	वही	वही	वियतनाम	वियतनाम	उपर्युक्त से भिन्न कोई	उपर्युक्त से भिन्न कोई	3.23	प्रति नग	भारतीय रुपए
15.	वही	वही	वियतनाम	वियतनाम से भिन्न	कोई	कोई	3.23	प्रति नग	भारतीय रुपए

				से भिन्न कोई देश				नग	रूपए
16.	वही	वही	संबद्ध देश से भिन्न अन्य देश	वियतनाम	कोई	कोई	3.23	प्रति नग	भारतीय रूपए
12.	वही	वही	कोरिया	कोरिया	मै. न्यूस्टार डिजिटल	मै. न्यूस्टार डिजिटल	2.51	प्रति नग	भारतीय रूपए
13.	वही	वही	कोरिया	कोरिया	मै. न्यूस्टार डिजिटल	उपर्युक्त से भिन्न कोई	2.51	प्रति नग	भारतीय रूपए
14.	वही	वही	कोरिया	कोरिया	उपर्युक्त से भिन्न कोई	उपर्युक्त से भिन्न कोई	3.09	प्रति नग	भारतीय रूपए
15.	वही	वही	कोरिया	कोरिया से भिन्न कोई देश	कोई	कोई	3.09	प्रति नग	भारतीय रूपए
16.	वही	वही	संबद्ध देश से भिन्न अन्य देश	कोरिया	कोई	कोई	3.09	प्रति नग	भारतीय रूपए
17.	वही	वही	कोरिया	ईरान	कोई	कोई	2.63	प्रति नग	भारतीय रूपए
18.	वही	वही	ईरान	ईरान से भिन्न कोई देश	कोई	कोई	2.63	प्रति नग	भारतीय रूपए
19.	वही	वही	संबद्ध देश से भिन्न अन्य देश	ईरान	कोई	कोई	2.63	प्रति नग	भारतीय रूपए
20.	वही	वही	मलेशिया	मलेशिया	कोई	कोई	2.27	प्रति नग	भारतीय रूपए
21.	वही	वही	मलेशिया	मलेशिया से भिन्न कोई देश	कोई	कोई	2.27	प्रति नग	भारतीय रूपए
22.	वही	वही	संबद्ध देश से भिन्न अन्य देश	मलेशिया	कोई	कोई	2.27	प्रति नग	भारतीय रूपए
20.	वही	वही	यूएई	यूएई	कोई	कोई	3.08	प्रति नग	भारतीय रूपए
21.	वही	वही	यूएई	यूएई से भिन्न कोई देश	कोई	कोई	3.08	प्रति नग	भारतीय रूपए
22.	वही	वही	संबद्ध देश से भिन्न अन्य देश	यूएई	कोई	कोई	3.08	प्रति नग	भारतीय रूपए

झ. आगे की प्रक्रिया

प्रारम्भिक जांच परिणाम अधिसूचित करने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :

- (क) प्राधिकारी सभी सम्बद्ध पक्षकारों से इस जांच परिणाम पर टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे और इन पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा;
- (ख) निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों तथा अन्य ज्ञात व संबंधित हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग से पत्र भेजे जा रहे हैं, जो पत्र जारी करने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से उन्हें अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकता है;
- (ग) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे;
- (घ) प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्य प्रकट करेंगे।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th December, 2007

PRELIMINARY FINDINGS

Subject : Preliminary findings of Anti-dumping investigations on imports of Compact Disc-Recordable (CD-R) from Iran, Malaysia, Korea ROK, Thailand, UAE and Vietnam.

NO. 14/9/2007-DGAD:—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas M/s Optical Disc Manufactures Welfare Association, New Delhi has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Compact Disc Recordable (CD-R) (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from Iran, Malaysia, Korea ROK, Thailand, UAE and Vietnam (hereinafter referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The Authority notified the Embassies of Iran, Malaysia, Korea ROK, Thailand, UAE and Vietnam about the receipt of dumping allegation in accordance with sub Rule 5(5) of Rules.

3. And Whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 12th September 2007 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. General

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority:-

50010101-4

- a) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 12.09.2007 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- b) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.
- c) The Embassies/High commission of the subject countries in New Delhi, were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to Embassies/High commission of subject countries along with the names and addresses of the exporters.
- d) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4). The Authority sent questionnaire concerning Market Economy Treatment to exporters of Vietnam.
- e) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation;
- f) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- g) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out provisionally so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- h) Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2006 to 30th June 2007 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods from April 2003-March 2004, April 2004-March 2005, April 2005-March 2006 and the POI.
- i) The confidentiality claims of domestic industry in respect of the data submitted by them have been examined. The data concerning costing, customers, prices have been treated as confidential. The information relating to volume of subject goods for the period of investigation has not been treated confidential. The confidentiality claims of exporters are under examination. However, for the purpose of preliminary findings, information provided by the exporters as confidential has been treated as confidential. *** in this finding represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

j) In response to the above said notification the following exporters from the subject countries filed their responses to questionnaire. The responses were received in the extended time from the exporters at S.No.1 & 2 below. The response from the exporter at S.No.3 was received after the permitted time, however, the Designated Authority decided to condone the delay and consider the response:-

1. M/s Pan Star Electronics Co. Ltd., Thailand
2. M/s. Ritek Vietnam Co. Ltd., Vietnam
3. M/s. Newstar Digital, S. Korea

In the extended time the exporters were expected to submit the questionnaire by completing all the information, however, it was noticed that some information was either deficient or missing. The Authority, however, decided to rely on the maximum possible information provisionally for the purpose of Preliminary Findings. For the final findings, the information will be considered only after rectification of deficiencies and verification.

- k) Other exporters and importers who have not submitted information are being treated as non-cooperating exporters and importers.
- l) In compliance of decision of Supreme Court in Civil Appeal No.1294 of 2001, the normal values for subject countries have been determined.

B. Product under Consideration

5. The product under consideration in this investigation is 'Compact Disc-Recordable (CD-R).

6. The CD-R is a polycarbonate disc. A polycarbonate disc contains a spiral groove on one side to guide the laser beam for writing and reading information. The disc is coated on the side with the spiral groove with a very thin layer of vegetable-based organic dye and subsequently with a thin, reflecting layer of silver, a silver alloy or gold. Finally a protective coating of a photo-polymerizable lacquer is applied on top of the metal reflector and cured with UV-irradiation. Recording on such a disc can be done only once and, therefore, the disc is said to be of the type 'WORM' (Write Once Read Many Times). The disc is an optical storage medium for digital data or music.

7. The product is classified under ITC (HS) and Customs Classification No.8523.90.50. However the above classification is indicative only and is no way binding on the investigation.

B.1 Like Article

8. The domestic industry manufactures 'CD-R', which is identical to the product under consideration. The goods originating in or exported from the subject countries Compact Disc Recordable produced by the domestic industry and imports from subject countries are comparable, technically and commercially substitutable in terms of physical, technical, characteristics, functions and uses. Therefore, for the purpose of the present investigation, Compact Disc- Recordable produced by the domestic

industry is being treated as like article to Compact Disc – Recordable imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

C. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation

9 The application has been filed by Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi, (ODMA) comprising of 8 producers of the subject goods in India. Three producers of the subject goods and members of ODMA have joined the application as the applicants and other four members of ODMA have supported the petition. Therefore, domestic producers expressly supporting the application account for more than 90% of the domestic production of the subject goods in India. Further, the three companies who joined the application constitute domestic industry within the meaning of the Rules.

Other issue

10. **Provision of application under Rule 6(3)** - M/s Ritek Vietnam Company Limited has stated that as per Rule 6, it was obligatory for the Designated Authority provide full text of updated application to the known exporters that formed the basis of initiation. The Authority notes that the copies of the application were provided to exporters and Govt. of the subject countries as required under Rule 6 (3). Further information and evidence (non-confidential version) were made available by keeping the same in public file which were open to inspection by all interested parties.

11. **Retrospective Imposition of Duty as per Section 9A(3)** - The domestic industry has contended that there are massive imports in a relatively short period. This is established by de facto 100% share of subject countries in imports into India and a significant market share in the consumption in the country. The shift in imports from other countries now attracting anti-dumping duty to present countries clearly show that the importers are deliberating and consciously resorting to dumping. There is a history of dumping. The exporters are well aware that they are resorting to dumping. Importers are or should have been well aware that the exporters are practicing dumping. Therefore, this is fit case for imposition of anti-dumping duty retrospectively as per Section 9A(3) of the Custom Tariff Act.

12. It has further been informed to the Authority by providing data on imports that there was unprecedented volume of imports as a result of initiation of investigation by the Designated Authority and in anticipation of anti-dumping duty. It has been intimated that in August, September and October'07, the imports constitute 14.18, 16.98 and 45.51 million pieces respectively of subject goods as compared to 10.85 million pieces in April-June'07 and 1.88 million pieces in July'07.

13. The exporter M/s Ritek Vietnam Co. Ltd. has stated that Vietnam has started producing the subject goods for the first time only in the period of investigation. It has been stated that they are at a loss as to how they can be accused of history of dumping. There is no evidence for any other country also. It has been pointed out that the domestic industry in their application has only paraphrased the legal provisions and has not provided any support or basis or evidence to invoke Section 9A(3). Further, there is no material on record for the Designated Authority to even form or proceed to examine the issue of retrospective levy under Section 9A(3).

14. The Authority has taken note of the arguments of the domestic industry and the exporter. The issue will be decided in details after the preliminary findings by receiving comments from all the interested parties.

D. Methodology for calculation of dumping margin

D.1 Thailand

15. In response to the initiation notification one exporter from Thailand namely M/s Pan Star Electronics Co. Ltd., filed the information on the exporter questioner. The examination of the information shows that the exporter has provided information on domestic, exports sales and cost of production. The calculation of the cost of production (Appendix-8) was not tallying with Appendix 7. The correct calculation indicated that the domestic sales were made below the cost of production. It was also noticed that no information have been provided concerning expenses on domestic and export sales.

Normal value for Thailand

16. For determining normal value, the Authority has examined the data on domestic sales and cost of production provided by M/s Panstar Electronic Co. Ltd. On examination It was found that the figure of stock is not reconciling. The company appear to be involved in trading in subject goods as well. It is also observed that figures in Appendix 7 & 8 is not reconciling with each other. The cost has been calculated on the basis of data provided by the exporter in Appendix 7. As per calculation, the per unit cost price of CD-R comes to *** Baht. After comparison, it is found that the domestic sales were made below the cost of production, therefore, transactions of domestic sales cannot be considered as having been made in the ordinary course of trade as per Section 9(A)(c) of the Customs Tariff Act, 1975.

17. The normal value for Thailand has been constructed on the basis of cost of production of the exporter as per facts available as per Rule 6(8) of Anti-dumping Rules. For determination of normal value, to the cost of production as calculated above, a profit @ 5% has been added. By this methodology, the normal value for Thailand has been determined as US\$*** per 1000 pcs.

Export price for M/s Panstar Electronics Co. Ltd.

18. The exporter has provided the transaction-wise details of exports to India. On examination and comparison of data provided by the exporter and imports data by the DGCI&S in which importers names were made available to the Authority, it has been found that export transactions of the exporter are reported at lower value in the data of DGCI&S. The comparison could be made approx. for 30% of the export transactions of the exporter. The Authority has accepted the value reported in the DGCI&S transactions. The adjustment has been made for the difference in the value. The exports have been made on f.o.b. basis, however, expenses on account of commission, inland transport, port expenses and bank charges have not been provided for determination of net export price. The adjustments for same have been made on the basis of facts available. By above methodology, the net export price has been calculated as US\$ *** per 1000 pcs.

Export price for the Non-cooperating exporters

19. For non-cooperating exporters, the transaction-wise imports data provided by Impex Statistics have been relied upon. The adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses and bank charges have been made to determine the net export price. By above methodology, the net export price has been calculated as US\$ *** per 1000 pcs.

D.2 Korea ROK

20. In response to the initiation notification one exporter from Korea ROK namely M/s Newstar Digital filed the information on the exporter questioner. The examination of the information shows that the exporter has provided information on domestic and exports sales. However, data on cost of production in detail on the prescribed format has not been provided. In absence of proper detail of data, it is not possible to evaluate whether the domestic sales have been made in the ordinary course of trade as per Section 9(A)(c) of the Customs Tariff Act, 1975. Similarly, the expenses concerning transaction-wise details on domestic and export sales have not been provided.

Normal value for Korea ROK

21. For determining normal value, the Authority in view of the absence of details on the cost of production has not been able to determine whether the domestic sales have been made in the ordinary course of trade, therefore, the data on domestic sales has not been relied on for determination of normal value. For determination of normal value, the Authority has relied on the facts available.

22. The normal value for Korea ROK has been constructed on the basis of facts available as per Rule 6(8) of Anti-dumping Rules by taking into account the international price of the raw materials and consumption, conversion cost of the major producer of the domestic industry. A profit @ 5% has been added to determine the normal value. By this methodology, the normal value for Korea ROK has been determined as US\$*** per 1000 pcs.

Export price for M/s Newstar Digital

23. The exporter has provided the transaction-wise details of exports to India. The same has been relied upon for calculation of export price. The exports appear to have been made on c.i.f. basis, however, expenses on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transport, port expenses and bank charges have not been provided for determination of net export price. The adjustments for same have been made on the basis of facts available. By above methodology, the net export price has been calculated as US\$ *** per 1000 pcs.

Export price for the Non-cooperating exporters

24. For non-cooperating exporters, the transaction-wise imports data provided by Impex Statistics have been relied upon. The adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses and bank

charges have been made to determine the net export price. By above methodology, the net export price has been calculated as US\$ *** per 1000 pcs.

D.3 Vietnam

25. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating Vietnam as a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation. Upon initiation, the Authority advised the Vietnamese producers to respond to the notice of initiation and provide relevant information for determination of their market economy status.

26. The Authority sent copies of the questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c) and Annexure-I to the Rules. In response to questionnaires, M/s Ritek Vietnam Co. Ltd. provided information for rebutting the presumption of non-market economy.

27. M/s Ritek Vietnam Company Limited stated that they are not providing any comments on selection of non-market economy third country as no information has been provided by the domestic industry and no selection has been made by the Authority as per para 7 of the Annexure 1 of Rules. The Authority in this regard notes that the domestic industry has not provided any reason for selection of Malasiya as non-market economy third country. The Authority also notes that as per para 7 of the Annexure 1 of Rules, the selection is to be made in a reasonable manner and in due account is to be taken of any reliable information made available at the time of selection. The Authority therefore, seeks further information from domestic industry and interested parties specifically from M/s Ritek Vietnam Company Limited for selection of appropriate market economy third country.

28. the Authority has taken note of response of exporter concerning market economy treatment however, final decision in this regard will be taken after verification of the information provided.

29. The exporter has also submitted the exporter questionnaire by providing information concerning export sales and cost of production. It has been noted that no domestic sales has been made by the exporter during the period of investigation. On examination of the cost information it is found that stocks are not reconciling. The difference in production and sales cannot be reconciled. It appears to be due to trade in subject goods. However, no cost information has been provided in this regard. In view of the absence of proper information, the Authority has not relied on information provided in Appendix 8. Therefore, the Authority has calculated the cost as per Appendix 7, as per calculation, the cost per unit of CD-R comes to *** VND.

Normal value for Vietnam

30. On comparison of export price to third country and cost of production of M/s Ritek Vietnam Co. Ltd., it has been noted that sales were made below the cost of production, therefore, transactions of export sales cannot be considered as having been made in the ordinary course of trade as per Section 9(A)(c) of the Customs Tariff Act, 1975, therefore, the normal value for Vietnam has been constructed on the basis of cost of production of the exporter as per facts available as per Rule 6(8) of Anti-dumping Rules. For determination of normal value, to the cost of production as

calculated above, a profit @ 5% has been added. By this methodology, the normal value for Vietnam has been determined as US\$*** per 1000 pcs.

Export price for M/s Ritek Vietnam Co. Ltd.

31. The exporter has provided the transaction-wise details of exports to India. The same has been relied upon for calculation of export price. The exports have been made on c.i.f. basis, however, expenses on account of marine insurance, commission, inland transport, port expenses and bank charges have not been provided for determination of net export price. The adjustments for same have been made on the basis of facts available. By above methodology, the net export price has been calculated as US\$ *** per 1000 pcs.

Export price for the Non-cooperating exporters

32. For non-cooperating exporters, the transaction-wise imports data provided by Impex Statistics have been relied upon. The adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses and bank charges have been made to determine the net export price. By above methodology, the net export price has been calculated as US\$ *** per 1000 pcs.

D.4 Iran

Normal Value

33. No exporter from the Iran has responded to the Initiation Notification. In absence of any response, the Authority has relied on the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the normal value. For this purpose, normal value has been constructed by taking into account the international price of the raw materials and consumption, conversion cost of the major producer of the domestic industry. A profit @ 5% has been added to determine the normal value. By this methodology, the normal value for Iran has been determined as US\$*** per 1000 pcs.

Export price

34. For non-cooperating exporters, the transaction-wise imports data provided by Impex Statistics have been relied upon. The adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses and bank charges have been made to determine the net export price. By above methodology, the net export price has been calculated as US\$ *** per 1000 pcs.

D.5 Malaysia

Normal Value

35. No exporter from the Malaysia has responded to the Initiation Notification. In absence of any response, the Authority has relied on the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the normal value. For this purpose, normal value has been constructed by taking into account the international price of the raw materials and consumption, conversion cost of the major producer of the domestic industry. A profit @ 5% has been added to determine the normal value. By this methodology, the normal value for Malaysia has been determined as US\$*** per 1000 pcs.

Export price

36. For non-cooperating exporters, the transaction-wise imports data provided by Impex Statistics have been relied upon. The adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses and bank charges have been made to determine the net export price. By above methodology, the net export price has been calculated as US\$ *** per 1000 pcs.

D.6 UAE**Normal Value**

37. No exporter from the UAE has responded to the Initiation Notification. In absence of any response, the Authority has relied on the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the normal value. For this purpose, normal value has been constructed by taking into account the international price of the raw materials and consumption, conversion cost of the major producer of the domestic industry. A profit @ 5% has been added to determine the normal value. By this methodology, the normal value for UAE has been determined as US\$*** per 1000 pcs.

Export price

38. For non-cooperating exporters, the transaction-wise imports data provided by Impex Statistics have been relied upon. The adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses and bank charges have been made to determine the net export price. By above methodology, the net export price has been calculated as US\$ *** per 1000 pcs.

Dumping Margin

39. On the basis of normal values and export prices as determined above, the dumping margins for cooperating and non-cooperating exporters are determined as per table below: -

Exporter/ Producer	Normal Value (US\$/1000Pcs)	Export Price (US\$/1000Pcs)	Dumping Margin (US\$/1000Pcs)	Dumping Margin (%)
Iran (All exporters/producers)	***	***	***	77.79
Malaysia(All exporters/producers)	***	***	***	56.29
Thailand				
Panstar Electronics Co. Ltd.	***	***	***	19.59
All exporters/ producers other than Panstar	***	***	***	32.57
Korea				
Newstar Digital	***	***	***	71.63
All exporters/ producers other than	***	***	***	105.61

Newstar Digital				
UAE(All exporters/producers)	***	***	***	100.70
Vietnam	***	***	***	
Ritek Vietnam Co. Ltd.	***	***	***	80.61
All exporters/ producers other than Ritek Vietnam Co. Ltd.	***	***	***	94.29

40. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis level.

E. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS

INJURY DETERMINATION

41. For the purpose of injury analysis the entire imports from the subject countries have been treated as dumped imports.

Submissions by the Domestic Industry

42. In view of present and anticipated demand, the domestic industry has enhanced capacity during the current year. Further, the domestic industry has been able to maintain its capacity utilization in spite of significant market share of other countries taken over by the subject countries. Production of the domestic industry has increased in line with increase in capacity. Market share of subject countries increased as a result of significant increase in imports. Consequently, market share of countries attracting anti dumping duties declined and the domestic industry was prevented from raising its market share and gaining back its lost market share. Productivity of the domestic industry increased as a result of increase in capacity and production. The imports are significantly undercutting prices of domestic industry in the market. Resultantly, selling price of the domestic industry, which was increasing till September 2006 as a result of some restrictions on dumping from earlier source, once again stated declining in the current proposed investigation period. The decline in selling price was without any matching decline in cost of production. The imports are thus depressing the prices of subject goods in the market. Profitability of the domestic industry improved with the initiation of investigations against countries earlier dumping. Inventories had started declining after initiation of previous case. However, inventories have once again started increasing and have gone beyond the levels faced earlier. The employment has increased in line with increase in installed capacity. The domestic industry started having positive growth in April-September 2006 period, which once again declined in the proposed period of investigation. With the previous initiation of investigation, the domestic industry has been able to make some fresh investments. However, the domestic industry would not be viable in the long run should the market has significant dumping. It would thus be seen that the domestic industry has once again suffered material injury. The present dumping is grossly undermining the effect and the impact of previous imposition of anti dumping duties. The imports from subject countries increased very significantly in a period of six months and have substituted the imports from other countries. Should the present trend continue, the subject countries would completely substitute and

reach a volume earlier registered from countries now attracting anti dumping duties. The CIF import prices from subject countries are quite low and are in the band of prices earlier reported from countries now attracting anti dumping duties. Resultantly, the domestic industry was once again forced to reduce the prices. The price depression felt by the domestic industry was due to dumped imports. While there was no reduction in cost of production, the decline in the selling prices led to decline in profitability of the domestic industry. The profitability of the domestic industry therefore started declining once again and is once again getting seriously got eroded. Price depression caused by dumped imports resulting in decline in profits once again led to deterioration in return on capital employed and cash flow. It is thus evident that injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.

43. The Authority has noted the views expressed by the above interested parties in respect of the injury claims of the domestic industry and examined the mandatory factors for the purpose of provisional injury determination and causal link analysis in these findings.

E.1 Cumulative assessment of injury

44. The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that

- I. The imports from individual countries are above de minimis or cumulatively account for more than 7% of imports:
- II. The dumping margin against individual countries are above 2%; and
- III. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles

45. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from several countries, including the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:

- i) The margins of dumping of individual products from each of the subject countries/territories are more than the de minimis limit;
- ii) The volume of imports of individual products from each of the subject countries/territories is more than the de minimis;
- iii) The domestic product and product supplied by producers in various countries are like articles;
- iv) Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market;

46. The Authority holds that cumulative assessment of injury is appropriate in this case since the exports of individual products from the subject countries are directly

competing amongst themselves as well as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

E.2 Examination of Injury and Causal Link

47. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

48. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

49. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under.

Imports

50. The CD-R is specifically is importable under Customs Tariff Head 8923.90.50, however, the transaction-wise data of imports from Impex Statistics shows that the imports have been made under different custom tariff heads. In the data provided by DGCI&S, the imports made under other than the dedicated classification have not been captured, therefore, data from Impex Statistics have been relied upon for analysis.

E.3 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

a) Import Volumes

51. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

52. Volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analysed based on the data reported in the Impex statistics data after pruning the data for unrelated products. The import figures are as under:-

Import Volumes and share of subject country

	Units	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised

Imports						
Iran	Lac.Pcs	0	0	0	73.45	58.76
Korea	Lac.Pcs	10	14.3	13.41	91.94	73.55
Malaysia	Lac.Pcs	101.62	72.7	37.84	244.31	195.45
Thailand	Lac.Pcs	4	4.05	7.08	301.9	241.52
UAE	Lac.Pcs	0.17	3.19	6.6	80.58	64.46
Vietnam	Lac.Pcs	0	0	0	396.78	317.42
Countries Already Attracting Duty	Lac.Pcs	956.9	1739.9	1349.7	1248.82	999.06
Other countries	Lac.Pcs	24.62	81.51	27.54	9.67	7.74
Subject Countries	Lac.Pcs	115.79	94.24	64.93	1188.96	951.17
Trend	Indexed	100	81	56	1,027	821
Total Imports	Lac.Pcs	1097.31	1915.7	1442.2	2447.45	1,957.96
Trend	Indexed	100	175	131	223	178
Market Share in Imports						
Iran	%	-	-	-	3.00	3.00
Korea	%	0.91	0.75	0.93	3.76	3.76
Malaysia	%	9.26	3.79	2.62	9.98	9.98
Thailand	%	0.36	0.21	0.49	12.34	12.34
UAE	%	0.02	0.17	0.46	3.29	3.29
Vietnam	%	-	-	-	16.21	16.21
Countries Already Attracting Duty	%	87.20	90.83	93.59	51.03	51.03
Other countries	%	2.24	4.25	1.91	0.40	0.40
Subject Countries	%	10.55	4.92	4.50	48.58	48.58

53. The above data indicates that total imports and dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased substantially during the injury examination period by about 721%. The share of dumped imports from the subject countries has increased from a mere 4.5% in 2005-06 to 48.58% in the POI. The break-up of imports during POI shows that the share from subject countries in April 2006 to September 2006 was 8.87%, rose to 94.51% in Oct.'06-March'07 and further increased to 96.64% in April-June'07. The share of countries attracting anti dumping duty has declined from 93.59% in 2005-06 to 51.03% in the POI during this period, implying that the entire growth of imports are accounted for by the imports from the subject countries.

ii) Demand, Output and Market shares

a) Growth In Demand

Demand	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Domestic Industry	Lac Pcs	2,836.82	4,314.34	4,399.48	6,693.25	5,354.60
Total Imports	Lac Pcs	1,097.31	1,915.69	1,442.20	2,447.44	1,957.95
Other Indian producer	Lac Pcs	638.12	1,006.97	1,491.42	2,510.87	2,008.70
Total Demand	Lac Pcs	4,572.24	7,237.01	7,333.11	11,651.56	9,321.24
Trend	Indexed	100	158.28	160.38	254.83	203.87

54. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales of domestic industry and all imports from all countries. From the data, trend indicates

that demand for the subject goods had been growing from base year to POI. It grew by 104% during POI (annualised) as compared to base year i.e. 2003-04.

b) Production of the Domestic Industry

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Capacity	Lac.Pcs	18,800	20,311	18,922	25,630	20,504
Trend	Indexed	100	108.04	100.65	136.33	109.06
Production	Lac.Pcs	15,181	18,972	18,248	22,946	18,357
Trend	Indexed	100	124.97	120.20	151.15	120.92
Capacity Utilisation	%	80.75	93.41	96.44	89.53	89.53
Trend	Indexed	100	115.67	119.42	110.87	110.87

55. Data of domestic industry on capacity, production and capacity utilisation reveals that the capacity of the domestic industry was 18800 Lac Pcs during 2003-04 and increased to 20504 Lac.Pcs during annualised POI. The production of subject goods was 15181 Lac Pcs during 2003-04 after rising in 2004-05 declined to 18248 Lac. Pcs during 2005-06 and increased to 18357 Lac.Pcs during annualised POI.

Sales of Domestic Industry

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Domestic Industry	Lac Pcs.	2,837	4,314	4,399	6,694	5,355
Trend	Indexed	100	152	155	189	189
Export Sales	Lac Pcs.	11440	13553	13940	15610	12488
Trend	Indexed	100	118	122	109	109
Average Inventory	Lac.Pcs	97	1068	1,993	2,158	2,158
Trend	Indexed	100	1101	2055	2225	2225
No. of days sales	Days	12	90	165	147	147

56. The data on sales indicates that the domestic industry sold 2837 Lac.Pcs of subject goods during 2003-04 and the same increased to 5355 Lac.Pcs during annualised POI. The sale of domestic industry increases to 189% during POI as compared to base year. The average inventory of the domestic industry indicates that the average stock was 97 Lac.Pcs in 2003-04 and increased to 2158 Lac.Pcs during POI. Average inventory in term of number of days of sales it was equivalent to 12 days of sales in 2003-04 and rose to 147 days of sales during POI as compared to base year.

Demand and Market Share

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Assessed Demand	Lac.Pcs	4,572	7,237	7,333	11,652	9,321
Trend	Indexed	100	158.28	160.38	254.83	203.87
Imports from Subject Countries	Lac.Pcs	116	94	65	1,189	951
Imports from	Lac.Pcs	957	1,740	1,350	1,249	999

Countries attracting ADD						
Imports from Other Countries	Lac.Pcs	25	82	28	10	8
Sales of Domestic Industry	Lac.Pcs	2,837	4,314	4,399	6,693	5,355
Sales of other Indian producers	Lac.Pcs	638	1,007	1,491	2,511	2,009
Market Share in Demand						
Imports from Subject Countries	%	2.53	1.30	0.89	10.20	10.20
Imports from Countries attracting ADD	%	20.93	24.04	18.41	10.72	10.72
Imports from Other Countries	%	0.54	1.13	0.38	0.08	0.08
Sales of Domestic Industry	%	62.04	59.61	59.99	57.45	57.45
Sales of other Indian producers	%	13.96	13.91	20.34	21.55	21.55

57. The demand of subject goods has shown rising trend. It grew by 104% during annualized POI as compared to the base year. The market share of domestic industry which was increasing till 2005-06 has been reduced in the POI. During the same period the share of subject countries has gone up from 2.53% to 10.20%.

(B) Price Effect of the Dumped imports from subject countries on the Domestic Industry

(i) Evaluation of price over period under consideration

Export Price	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Subject Countries	Rs./Pc	3.69	2.00	3.18	3.92
Trend	Indexed	100	54.20	86.18	106.23

58. The data on export prices reveal that prices from subject countries have gone up by 6.6% during POI as compared to base year. However, the further analysis of export price during POI shows that in Apr.'06-March.'07 the average price was Rs.4.04/pc, however, it declined drastically to Rs.3.58/pc in 3 months i.e. Apr.'07 - June'07.

(ii) Price undercutting and underselling effects

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Selling price-DI		***	***	***	***
	Rs/ Pcs				
Trend	Indexed	100	62.54	62.00	67.73
Landed value	Rs/ Pcs	4.09	2.12	3.18	3.92
Trend	Indexed	100	51.77	77.77	95.68
Price Undercutting	Rs/ Pcs.	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
NIP	Rs/ Pcs.				***
Price underselling	Rs/ Pcs.				***
Price underselling	%				***

59. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

53. In determining the weighted net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

54. The trend of selling price indicates that it has decline to 63% in 2004-05, 62% in 2005-06 as compared to base year, however, it decline to 68% during POI as compared to base year. The analysis of selling price during POI (of the major producer of the domestic industry whose data has been verified) further reveals that the decline in selling price was pronounced during Apr.'07 – June'07 when it declined to 58% of the base year.

55. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding (for the relevant years) 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the Impex statistics data of import prices from the subject countries. The weighted average undercutting from subject countries during POI was in the range of 25-35%.

56. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. The weighted average underselling was in the range of 75-85% during POI.

(iii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

57. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

58. The trend of cost of production shows that weighted average cost of sale declined by Rs.0.81/pc during POI as compared to base year whereas the selling price has declined by Rs.2.55/pc during the same period indicating that the domestic industry was under tremendous pressure to reduce the prices because of dumped imports.

E.4 Examination of other Injury Parameters

59. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

Profits and actual and potential effects on the cash flow

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Sales (NSR)	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	62.54	62.00	67.73
Cost of production	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	84.75	90.62	87.53
Profit	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(41.55)	(72.16)	(25.11)
Profits – PBIT	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(23.15)	(42.95)	(4.58)

60. The data indicate that weighted average cost of production of the domestic industry declined to 85% in 2004-05, 91% in 2005-06 and 88% during POI as compared to base year whereas during the same period the weighted average net selling price declined to 63% in 2004-05, 62% in 2005-06 and 68% during the POI. The profit per unit which was 100 (indexed) in the base year turned to loss of 41.55 in 2004-05, 72.16 in 2005-06 and 25.11 during POI. Further analysis of POI shows that loss per unit (of the major producer whose data has been verified) increased substantially in Apr-June'07. The profit (PBIT) of domestic industry which was 100 (indexed) in 2003-04 turned to loss of 23.15 in 2004-05, 42.95 in 2005-06 and 4.58 during POI.

Return on Investment

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI Annualised
Assets (NFA)	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	129.83	92.54	102.26
Working Capital	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	99.18	75.79	122.57
Capital Employed (NFA)	Rs.Lacs	***	***	***	***

Trend	Indexed	100.00	119.41	86.84	109.16
PBIT	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	(35.21)	(66.61)	(0.08)
Return on capital employed	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(29.53)	(76.71)	(0.10)

61. The data on capital employed shows that as compared to base year it increased by 19% in 2004-05, and 9% during POI. The increase in capital employed was due to increase in fixed assets and working capital.

Employment

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Employees	No	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	119.89	130.55	153.75

62. The manufacturing facility of the domestic industry manufacture both subject goods and other products not covered in this investigation. The number of employees has been taken for plant as a whole. The above data shows that number of employees has increased by 54% during POI as compared to base year.

Productivity

63. The manufacturing facility is common for product under consideration and other products, therefore, it is not possible to assess the production per employee for the subject goods.

viii) Inventories

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Average Inventory	Lac.Pcs	97	1068	1,993	2,158
Trend	Indexed	100	1101	2055	2225

64. The above data shows that the average inventory increased approx. 4 times during POI as compared to base year. The average inventory was equivalent to 12 days of sales in 2003-04 and increased to equivalent of 147 days during POI.

Growth

65. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year-to-year basis. The growth in production and sales were positive. However, cost, selling price, profitability and return on investment shows negative trend.

v) Investment

66. The authority notes that the domestic industry had infused fresh capital to increase the capacity for subject goods and other goods during the injury period.

vi) Magnitude of Dumping

67. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries named, for the POI, are significant.

vii) Factors affecting prices

68. The Authority notes that Landed values of imported material from subject countries are significantly below the selling price of the domestic industry, causing price undercutting in the Indian market. The undercutting during POI was significant.

E.5 Conclusion on injury parameters

69. The examination of above injury parameters indicates that growth in demand was 104% during POI (annualized) as compared to base year. During the same period the production of the domestic industry grew by 21%, sales by 89%. However, the average inventory also grew by 4 times. The share of the domestic industry which was 62.04% in 2003-04 fell to 57.45% during POI.

70. The cost of sales has declined to 88% in POI as compared to base year whereas the net selling price declined to 68% during the same period. The cost of sales reduced by Rs.0.81/pc during POI as compared to base year where the selling price reduced by Rs.2.55/pc during the same period, impacting the profitability. The profit per unit which was 100 (indexed) in the base year turned to loss of 25.11 during the POI. The Profit Before Interest (PBIT) which was 100 (indexed) in the base year turned to loss of 4.58 during POI. Similarly, the return on investment shows negative return during POI as compared to positive in the base year.

71. The analysis of above economic parameters indicate that the domestic industry has suffered material injury.

E.6 Other Known factors and Causal Link

72. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attribution factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

i) Volume and prices of imports from other sources

73. During POI, imports from countries not under investigation are insignificant and at prices higher than the import prices from the subject countries. The dumped imports from some other countries already investigated are subjected to anti-dumping duty to offset the effect of dumped imports, therefore, cannot be considered as a factor causing injury to the domestic industry.

ii) Contraction in demand, change in pattern of consumption and Development of technology

74. Because of development of further technology and new product in the market, the consumption pattern of the subject goods is undergoing change. However, in India the subject goods have shown robust growth during the injury period. The total demands of subject goods have shown growth of 155% during Period of Investigation as compared to the base year.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

75. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iv) Export performance

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Export Sales	Lac Pcs.	11440	13553	13940	15610	12488
Trend	Indexed	100	118	122	109	109

76. The Authority notes that the export volume of the domestic industry has been increasing till 2005-06, however, it declined by 10.4% during POI as compared to preceding year. The Authority also notes that because of decline in export performance, the available stock has increased for the domestic sales. However, the domestic industry could not retain the market share in demand. The Authority also notes that the analysis of financial performance for the injury period has been done for the domestic sales only. Therefore, decline in export performance cannot be considered as a factor causing injury to the domestic industry.

v) Productivity of the Domestic Industry

77. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee could not be assessed as the subject goods and other goods not under investigation are manufactured under the same manufacturing facility.

78. No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has come to the notice of the Authority.

Causal Link

79. The domestic industry was facing dumped imports from other countries for which anti-dumping duties were imposed on 6.10.2006. After imposition of anti-dumping duty, the dumped imports started coming from other countries for which the domestic industry requested for this investigation. The foregoing analysis indicates that the volume of dumped imports from the subject countries have increased substantially both in absolute terms as well as in relation to the share in demand. Despite strong growth in demand the growth of imports from subject countries have significantly displaced the market share of the domestic industry. The weighted average landed value from subject countries in 2006-07 was Rs.4.04/pc which declined to Rs.3.58/pc in Apr.'07 to June'07. The net selling price of the domestic industry during the same period declined by Rs.0.80/pc. The landed value of dumped imports from the subject countries also show a significant price undercutting and

underselling on the prices of the domestic industry compelling the domestic industry to benchmark its prices to imports indicating that the domestic industry was forced to reduce their prices

80. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject countries are at prices below their normal values, Non Injurious Price of the domestic industry and the average net selling price sales realization of the subject goods of the domestic industry, and have caused injury to the domestic industry indicating causal links between dumping of subject goods and injury to the domestic industry.

F. Conclusions

81. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- B. The domestic industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

G. Indian industry's interest & other issues

82. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

H. Recommendations

83. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margins against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

84. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

85. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in

Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

Sl. No	Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measure-ment	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	8523.90.50	Compact Disc Recordable (CD-R) Write once read many times	Thailand	Thailand	M/s Panstar Electronics Co. Ltd.	M/s Panstar Electronics Co. Ltd.	0.74	Per piece	INR
2.	Do	Do	Thailand	Thailand	M/s Panstar Electronics Co. Ltd.	Any Other than above	0.74	Per piece	INR
5.	Do	Do	Thailand	Thailand	Any other than above	Any other than above	1.11	Per piece	INR
6.	Do	Do	Thailand	Any country other than Thailand	Any	Any	1.11	Per piece	INR
7.	Do	Do	Any country other than subject countries	Thailand	Any	Any	1.11	Per piece	INR
12.	Do	Do	Vietnam	Vietnam	M/s Ritek Vietnam Co. Ltd.	M/s Ritek Vietnam Co. Ltd.	3.04	Per piece	INR
13.	Do	Do	Vietnam	Vietnam	M/s Ritek Vietnam Co. Ltd.	Any other than above	3.04	Per piece	INR
14.	Do	Do	Vietnam	Vietnam	Any other than above	Any other than above	3.23	Per piece	INR
15.	Do	Do	Vietnam	Any country other than Vietnam	Any	Any	3.23	Per piece	INR
16.	Do	Do	Any country other than subject countries	Vietnam	Any	Any	3.23	Per piece	INR
12.	Do	Do	Korea	Korea	M/s Newstar Digital	M/s Newstar Digital	2.51	Per piece	INR
13.	Do	Do	Korea	Korea	M/s Newstar Digital	Any other than above	2.51	Per piece	INR
14.	Do	Do	Korea	Koera	Any other than above	Any other than above	3.09	Per piece	INR
15.	Do	Do	Korea	Any country other than Korea	Any	Any	3.09	Per piece	INR
16.	Do	Do	Any country other than subject countries	Korea	Any	Any	3.09	Per piece	INR
17.	Do	Do	Iran	Iran	Any	Any	2.63	Per piece	INR
18.	Do	Do	Iran	Any country other than Iran	Any	Any	2.63	Per piece	INR
19.	Do	Do	Any country other than subject countries	Iran	Any	Any	2.63	Per piece	INR

20.	Do	Do	Malaysia	Malaysia	Any	Any	2.27	Per piece	INR
21.	Do	Do	Malaysia	Any country other than Malaysia	Any	Any	2.27	Per piece	INR
22.	Do	Do	Any country other than subject countries	Malaysia	Any	Any	2.27	Per piece	INR
20.	Do	Do	UAE	UAE	Any	Any	3.08	Per piece	INR
21.	Do	Do	UAE	Any country other than UAE	Any	Any	3.08	Per piece	INR
22.	Do	Do	Any country other than subject countries	UAE	Any	Any	3.08	Per piece	INR

I. Further Procedures

86. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

- a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- b) Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority